an>

Title: Need to provide creche facilities to working women with kids.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक अति लोक महत्व का विषय उठाना चाहता हूं। देश के वे सभी कार्य स्थल जहां 30 या उससे अधिक महिलाएं काम करती हैं, संस्थान के नियोक्ता और प्रबंधन की जिम्मेदारी होती है कि वहां क्रेच की सुविधा प्रदान करें। यह देखने में आता है कि इस पर अमल नहीं होता, विशेÂष रूप से असंगठित क्षेत्रों में ऐसे होता है। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों, मध्य प्रदेश, टीकमगढ़, छतरपुर, बिहार, ओडिशा और बंगाल आदि से लाखों की संख्या में महिलाएं काम करने के लिए आती हैं। जहां वे काम करती हैं, वहीं मिट्टी, गिट्टी का ढेर लगा रहता है, सीमेंट पड़ी रहती है, लोहा पड़ा रहता है और उनके छोटे-छोटे बच्चे खेलते रहते हैं जो कुपोषण और प्रदूषण का शिकार होते हैं। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि उन नौनिहालों को कुपोषण और प्रदूषण से बचाने के लिए एक राष्ट्रीय क्रेच निधि का मसौदा तैयार किया जाए। यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जन्म शताब्दी वर्ष है, गरीब कल्याण वÂर्ष है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उन नौनिहालों को कुपोषण और प्रदूषण से बचाने के लिए क्रेच की सुविधा दी जाए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री ओम बिरला,

श्री सुधीर गुप्ता,

श्री रोड़मल नागर,

श्री अश्विनी कुमार चौबे और

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को डा. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।